परामर्श मण्डल
प्रो. दीप्ति धर्माणी
विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
प्रो. दिलबाग सिंह
निदेशक, जनसम्पर्क
डॉ. मोहम्मद काशिफ किदवई
निदेशक, युवा कल्याण
डा. सुरेन्द्र कुमार कुण्डू
संयोजक, मुद्रण समिति

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा
कैम्पस टाइम्स
अंक : 1 | 4 नवम्बर, 2017 | पृष्ठ-4

संपादक मण्डल
डॉ. सेवा सिंह बाजवा
मुख्य संपादक
डॉ. अमित सांगवान
संपादक
डॉ. रविन्द्र ढिल्लों
सह-संपादक

युवा महोत्सवः रंगारंग आगाज, भव्य समापन

- सांस्कृतिक महाकुंभ में 29 कालेजों के 700 प्रतिभागियों ने दिखाया अपनी प्रतिभा का जोहर
- कला व मनोरंजन का संगम बना महोत्सव, सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम
- हरियाणवी संस्कृति की झलक दी दिखाई, भारतीय संस्कृति की प्राचीन यादें हुई ताजा

सिरसा। चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय में युवा महोत्सव-2017 का जितना रंगारंग आगाज हुआ। उतना ही शानदार व भव्य समापन भी रहा। युवा महोत्सव के सफलतापूर्वक आयोजन के साथ ही विश्वविद्यालय के स्वर्णिम इतिहास में एक और उपलब्धी जुड़ गई। बीती 2 नवम्बर को युवा महोत्सव का भव्य आगाज हुआ था। शुभारंभ अवसर पर भाजपा अनुशासन कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री प्रो. गणेशी लाल मुख्यातिथि के रुप में शिरकत करने पहुंचें। उन्होंने प्रतिभागियों की हौंसलाफजाई करते हुए विश्वद्यिालय को ऐसे आयोजन करवाने के लिए बधाई दी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के समापन व पारितोषिक वितरण समारोह के अवसर पर हरियाणा पर्यटन निगम के चेयरमैन श्री जगदीश चोपड़ा ने बतौर मुख्यातिथि विजेताओं को पुरस्कृत किया। आगाज से लेकर समापन तक इस युवा महोत्सव ने हर किसी के दिल पर अमिट छाप छोड़ी। इस महोत्सव ने युवा प्रतिभागियों को अपनी कला प्रस्तुत करने के लिए मंच प्रदान किया। इसके साथ ही दर्शक दीर्घा में बैठे युवाओं का खूब मनोरंजन भी हुआ। युवा उत्सव कार्यक्रम का लुत्फ उठाने के लिए हजारों विद्यार्थी सीडीएलयू के सभागार में पहुंचे। युवाओं ने खूब मौज-मस्ती की। हरियाणवीं व पंजाबी गानों पर प्रस्तुति दे रही टीमों के साथ उपस्थित विद्यार्थी भी जमकर थिरके। विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय हाल व सभागार में अलग-अलग मंच बनाए गए थे, जिन पर प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतितां दी। प्रतिभागियों की हर प्रस्तुति शानदार रही। मुख्य स्टेज पर कोरियोग्राफी, मिमक्री, नाटक, मूक अभिनय, कव्वाली, सोलो डांस, सोलो सोंग, हरियाणवी लोकगीत, लोकनृत्य, हरियाणवी ग्रुप सोंग, ग्रुप डांस, हरियाणवी आरकैस्ट्रा, हरियाणवी पाप सोंग, मिमिक्री सहित अन्य आइटमें प्रस्तुत की गई। ओडिटोरियम में बनी दूसरी स्टेज पर इंडियन आरकैस्ट्रा, शास्त्रीय संगीत जैसी प्रस्तुतियों ने देश की प्राचीन संस्कृति से रु-ब-रु होने का मौका प्रदान किया। हर आइटम के बाद तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई देती। जिसने प्रतिभागियों में जोश का संचार किया। निर्णायक मंडल भूमिका सराहनीय रही। पहले दिन कोरियोग्राफी, मिमक्री, नाटक, मूक अभिनय, कव्वाली ने समां बांधे रखा। दूसरे दिन हरियाणवी पॉप सांग, ग्रुप डांस, राजस्थानी डांस छाए रहे। तीनों दिन दोनों स्टेज पर अलग-अलग कार्यक्रम पेश किए गए।

निर्णायक मंडल की भूमिका रही सराहनीय

निर्णायक मंडल में डा. रमाकांत, जनार्दन शर्मा, डा. हुक्म चंद, नरेन्द्र, पवन बक्शी डा. स्वाति शर्मा सहित अन्य को शामिल किया गया। हर आइटम को जज करने के लिए निर्णायक मंडल का गठन किया गया। निर्णायक मण्डल की भी सराहनीय भूमिका रही। प्रतिभागियों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों का अच्छे से मूल्यांकन करके निर्णायक मंडल ने अपना निर्णय सुनाया। निर्णायक मंडल के पास अगर किसी टीम की शिकायत आई तो उन्हें उसका निपटारा भी किया।

संस्कृति व मनोरंजन का संगम बना महोत्सव

विश्वविद्यालय में आयोजित युवा महोत्सव को लेकर युवाओं में पूरा जोश दिखाई दिया। जो कार्यक्रम पेश किए गए उनमें मनोरंजन के साथ-साथ संस्कृति की झलक बखूबी दिखाई दी। भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत भारतीय ऑरकेस्ट्रा, शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य सहित ऐसी आइटमें दिखाई गई, जिन्होंने भारतीय संस्कृति के गौरवमयी इतिहास के दर्शन करवाए। कला और संस्कृति के इस अनूठे संगम ने मनोरंजन के साथ ज्ञानवर्धन का अवसर भी प्रदान किया। प्रतिभागियों ने धार्मिक, राजस्थानी, हरियाणवी व पंजाबी भाषा के अन्दर गायन करके दर्शकों को सामाजिक संदेश देने का प्रयास किया। वहीं, इंडियन ग्रुप सोंग प्रतियोगिता के माध्यम से भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को बड़े ही बेहतरीन ढंग से दर्शाया। इसी स्टेज पर लाइट वॉकल गजल व क्लासिकल वॉकल में

सामाजिक बुराइयों पर किया प्रहार

महोत्सव में प्रतिभागियों द्वारा पेश किए गए कार्यक्रमों की थीम स्वर्णिम हरियाणा, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, कन्या भ्रूण हत्या, नारी सशक्तिकरण सहित समाज में फैली अन्य कुरीतियों पर रही। कोरियोग्राफी के अन्दर टीमों ने अपने जौहर दिखाए और समाज में फैली कुरीतियों पर कटाक्ष किया। इसी तरह प्रतिभागियों ने मिमिकरी में अपने हुनर को दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नाटक मंचन के माध्यम से सामाजिक कुरितियों पर भी कटाक्ष किया गया। इन नाटकों के माध्यम से राधा कृष्ण के विभिन्न स्वरूपों को दर्शाया गया और हरियाणवीं संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर भी कलाकारों द्वारा प्रकाश डाला गया।

युवा शक्ति को दिशा देने में युवा महोत्सवों का अहम योगदानः प्रो. गणेशीलाल

समारोह के शुभारंभ अवसर पर उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि प्रो. गणेशीलाल ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने से युवाओं के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है। युवा शक्ति को दिशा देने में शैक्षणिक संस्थानों एवं युवा महोत्सवों का अहम योगदान होता है। भारत के अन्दर विश्व के सबसे अधिक युवा हैं और यहां के युवाओं का डंका विश्वभर में बोलता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रभावी तरीके से सामाजिक संदेश जन-जन तक पहुंचाये जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव का उद्घाटन करने में उन्हें अत्यंत खुशी हो रही है और युवाओं के बीच में वो भी अपने आप को युवा महसूस करते हैं। इस प्रकार के कार्यक्रम युवा शक्ति को दिशा देने में काफी कारगर साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी ऊर्जा समाजहित व राष्ट्रीय निर्माण में लगानी चाहिए।

संस्कृति के प्रचार-प्रसार में अहम भूमिका निभा रहा सीडीएलयूः प्रो. विजय कायत

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कायत ने कहा कि चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा प्रदेश की संस्कृति के प्रचार प्रसार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस युवा महोत्सव की विभिन्न विधाओं में विश्वविद्यालय तथा इससे संबंधित महाविद्यालयों की टीमें तीन दिन तक विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभाओं का जौहर दिखायेंगी। यहां तक पहुंचने में प्रतिभागियों ने काफी अरसे से कठोर परिश्रम व अनुशासन में रहकर अनेक प्रकार के कौशल विकसित किये हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ जो विद्यार्थी अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़चढ़ कर भाग लेते हैं, वो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कामयाब होते हैं। इस प्रकार के महोत्सवों से युवा शक्ति को सही दिशा मिलती है और प्रबन्धकीय दक्षता विकसित होती है।

युवा अपनी रूचि के अनुसार कैरियर का चयन करेंः जगदीश चोपड़ा

युवाओं को अपनी छुपी हुई क्षमता को पहचान कर अपनी रूचि अनुसार कैरियर का चयन करना चाहिए। आत्मसमर्पण व मेहनत के जज्बे के साथ जीवन में निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। भारतीय युवा शक्ति का विश्व भर में बोलबाला है। शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से इनकी शक्ति को तराशने का कार्य किया जा रहा है। भ्रष्टाचार को खत्म करने में भी शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। युवाओं को राष्ट्र निर्माण में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी, ताकि महापुरुषों द्वारा जिस समृद्ध एवं स्वर्णिम भारत का स्वप्न देखा गया था उसे साकार किया जा सके। युवाओं को महापुरुषों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर आगे बढ़ना चाहिए। स्वर्णिम हरियाणा थीम पर आधारित इस युवा महोत्सव में युवाओं के बीच अपने विचार रखकर मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। मैं महोत्सव में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

प्रत्येक मनुष्य के अंदर होता है एक कलाकार: जनार्दन शर्मा

कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के सदस्य श्री जनार्दन शर्मा ने बताया कि प्रत्येक मनुष्य के अंदर एक कलाकार होता है। विद्यार्थियों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। युवा महोत्सव में आए हुए सभी कलाकारों को मैं हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। जो विद्यार्थी अपनी संस्कृति व राष्ट्र से प्रेम नहीं करता मैं उसे सही मायने में शिक्षित नहीं कहा जा सकता।

पाश्चात्य संस्कृति से परहेज करें युवा: संदीप रामायण

हरियाणवी अभिनेता, हास्य कलाकार और स्किट डायरेक्टर संदीप रामायण का मानना है कि हरियाणवी संस्कृति के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में अभी काफी कुछ किया जाना बाकी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी संस्कृति के महत्व को समझें और पाश्चात्य संस्कृति से परहेज करें। विद्यार्थी के चरित्र के निर्माण में सांस्कृतिक गतिविधियां एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं।

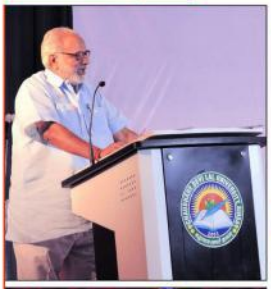

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा द्वारा युवा महोत्सव 2017 के दौरान यूटीडी समेत विभिन्न महाविद्यालयों से आई 29 टीमों के प्रतिभागियों ने 2-4 नवम्बर तक विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सोमेश एवं संदीप ने कैमरे में कलाकारों की प्रस्तुतियों एवं यादगार लम्हों को कैद किया।

संपादकीय

उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में नित्त नए आयाम स्थापित कर रहा है चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय,सिरसा

शिक्षा व खेलों के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास किया जा सकता है। किसी भी विश्वविद्यालय की पहचान वहां पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों से होती है। विद्यार्थियों के स्वांगिण विकास के लिए शैक्षणिक संस्थानों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है। चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाकर न केवल हरियाणा में बल्कि पूरे भारत वर्ष में विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। वर्ष 2009 में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने एमडीएस विश्वविद्यालय, अजमेर के प्रांगण में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय युवा महोत्सव में माइम में प्रथम स्थान, एकल लोक नृत्य व मूक अभिनय में दूसरा स्थान हासिल किया। वर्ष 2012 में अमृतसर में आयोजित 28वें उत्तर क्षेत्रीय जोन अंतरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव में भी क्लासिकल वोकल, ग्रुप सांग इंडियन व हरियाणवीं नृत्य में विश्वविद्यालय ने द्वितीय स्थान हासिल किया। वर्ष 2013 में पश्चिम बंगाल में अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव के अंदर विश्वविद्यालय की बेटी मान कौर ने क्लासिकल वोकल में चौथा स्थान हासिल करके विश्वविद्यालय का नाम भारत के मानचित्र पर रोशन किया। वर्ष 2014 में हरियाणा कला परिषद द्वारा हरियाणवीं नृत्य प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की टीम ने मण्डल स्तर पर पहला स्थान व राज्य स्तर पर दूसरा स्थान हासिल करके दिखा दिया कि इस क्षेत्र के विद्यार्थियों के अंदर प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। इस प्रतिभा को तराशने का कार्य युवा कल्याण निदेशालय द्वारा बखूबी किया जाता है। कलाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए अनेक योजनाएं निदेशालय द्वारा चलाई जाती हैं। समय-समय पर टेलेंट हंट व खास मौकों पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन विद्यार्थियों की छुपी हुई प्रतिभा को खोजने एवं उसे निखारने के उद्देश्य से किया जाता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार कायत के कुशल एवं ओजस्वी नेतृत्व में विश्वविद्यालय विकास के नित नए आयाम स्थापित करने में अग्रसर है। कुलपति महोदय के मार्गदर्शन बिना इस 6 दिवसीय युवा महोत्सव की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। महोत्सव के दौरान बाहर से आए हुए निर्णायक मंडल, टीम इंचार्ज, निदेशकों व प्रतिभागियों के रहने एवं खाने की व्यवस्था भी निदेशालय द्वारा व्यवस्थित ढंग से की गई।

महोत्सव को सफल बनाने के उद्देश्य से लगभग 22 टीमों का गठन किया गया। इस महोत्सव में पारदर्शिता का भी पूरा ध्यान रखा जाता है और किसी भी पक्षपात की स्थिति से बचने के लिए विभिन्न टीमों के नंबर आवंटित किए गए। इन्हीं नंबरों के साथ निर्णायक मंडल ने अपना निर्णय देता है। विद्यार्थियों के अंदर भी प्रबंधकीय दक्षता विकसित करने के उद्देश्य से अनेक विद्यार्थियों के ड्यूटी अनुशासन, होस्पिटलिटी, मीडिया, पंजीकरण आदि समितियों में लगाई गई। इस महोत्सव में प्रतिभागियों की प्रतिभा का जौहर देखने पर बनता था और दर्शकों ने महसूस किया कि यहां के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जिस उद्देश्य से उच्चतर शिक्षा के मामले में पिछड़े हुए इस क्षेत्र में इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी उस उद्देश्य की पूर्ति में यह विश्वविद्यालय पूर्णतया खरा उतरा है।

वर्तमान शैक्षणिक सत्र के दौरान भी कुलपति प्रो. विजय कुमार कायत की दूरगामी सोच की बदौलत ही छह नए विभागों की शुरूआत की गई है। हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत, भूगोल, इतिहास व संगीत विभागों की शुरूआत होने से जहां एक ओर विद्यार्थियों के लिए अवसर बढ़े हैं वहीं दूसरी ओर अनेक युवाओं को रोजगार भी विश्वविद्यालय के प्रदान किया है। शोध के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय नए आयाम स्थापित कर रहा है और यहां की प्रयोगशालाओं को आधुनिक यंत्रों से सुसज्जित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। कुलपति महोदय का मानना है कि खेलों के माध्यम से भी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को विकसित किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से बहुउद्देश्यीय सभागार के अंदर जिम व बेडमिंटन, लॉन टेनिस कोट आदि की सुविधाएं प्रदान की गई है। कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में ही अनेक राष्ट्रीय स्तर के खेलों की मेजबानी भी विश्वविद्यालय की खेल परिषद द्वारा की जा चुकी है। विधि विभाग को अलग से अंबेडकर लॉ भवन प्रदान करके विद्यार्थियों को अत्याधुनिक सुविधाएं देने का श्रेय भी प्रो. विजय कायत का जाता है।

– मेरी कलम से

Committees for CDLU Youth Festival- 2017

Organizing Committee
Dean Students' Welfare, , CDLU, Sirsa Convener
Dean of Colleges, CDLU, Sirsa
Prof. Deepti Dharmani, Dept. of English, CDLU, Sirsa
Director, Youth Welfare, CDLU, Sirsa
Coordinator IQAC, CDLU, Sirsa
Cultural Coordinator, CDLU, Sirsa

Jury 1 for Cultural Function Day-1
Prof. Sultan Singh, Dept. of Business Admn. CDLU, Sirsa Convener
Principal, M.M. P.G. College, Fatehabad
Principal, National College of Education, Sirsa

Jury 2 for Cultural Function Day-2
Prof. S.K. Gahlawat, Dept. of Bio-Technology, CDLU, Sirsa Convener
Principal, JCDM College, Sirsa
Principal, CRDAV Degree College, Ellanabad.

Jury 3 for Cultural Function Day-3
Prof. Anu Shukla, Dept. of English, CDLU, Sirsa Convener
Principal, C.M.K. National P.G. Girls College, Sirsa
Principal, I.G. Govt. College, Tohana, Fatehabad

Jury 4 for Literary & Fine Arts Events
Prof. Vikram Singh, Dept. of CSA, CDLU, Sirsa Convener
Principal, Saheed Baba Deep Singh College of Education, Ahrewan(Fatehbad)
Principal, M.P. College, Dabwali

Reception Committee:
Dean, Students' Welfare, CDLU, Sirsa
Dean, Academic Affairs, CDLU, Sirsa
All Deans, CDLU, Sirsa
Director, Youth Welfare, CDLU, Sirsa
Cultural Coordinator, CDLU, Sirsa
ADSW, CDLU, Sirsa
ADYW, CDLU, Sirsa

Adhoc Purchase/Rent Committee
Prof. Sushil Kumar, Dept. of Physics, CDLU, Sirsa Convener
Dr. Silender Singh Hooda, Dept. of Commerce, CDLU, Sirsa
Dr. Ram Mehar Singh, Dept. of Physics, CDLU, Sirsa
Dr. Ranjit Kaur, Cultural Coordinator, Dept. of Education, CDLU, Sirsa
SAO or his nominee, Accounts Branch, CDLU, Sirsa

Steering Committee (Discipline)
Dean Students' Welfare, CDLU, Sirsa Convener
Director, Youth Welfare, CDLU, Sirsa
Principal, C.M.K. National P.G. Girls College, Sirsa
Principal, M.M. P.G. College, Fatehabad
Principal, JCDM College, Sirsa
Principal, Govt. National College, Sirsa
Principal, Dr. B.R. Ambedkar Govt. College, Dabwali
Principal, Govt. Girl's College, Sirsa
Principal, Janta Girls College, Ellenabad.
Principal, National College of Education, Sirsa
Principal, JCD College of Education, Sirsa

Event Discipline Committee
Prof. Raj Kumar Siwach, Dept. of Pub. Admn., CDLU, Sirsa Convener
Dr. Satyawan Dalal, Dept. of Pub.Admn., CDLU, Sirsa
Dr. Harish Kumar, Dept. of Chemistry, CDLU, Sirsa
Dr. J.S. Duhan, Dept. of Bio-Technology, CDLU, Sirsa
Dr. Mukesh Garg, Dept. of Law, CDLU, Sirsa
Dr. Dharamvir Singh, Dept. of Physics, CDLU, Sirsa
Dr. Rajneesh Ahlawat, Dept. of Busi. Admn., CDLU, Sirsa
Dr. Ishwar Malik, Dept. of Physical Education, CDLU, Sirsa
Dr. Gita Rani, Dept. of Chemistry, CDLU, Sirsa
Dr. Ravinder, Dept. of JMC, CDLU, Sirsa
Dr. Sandeep, Dept. of Maths, CDLU, Sirsa
Mrs. Shakshi Dhingra, Dept. of CSA, CDLU, Sirsa
Mrs. Saroj, Warden, Girl Hostel, CDLU, Sirsa
Sh. Ramesh Chander Hans, Supdt., College Branch, CDLU, Sirsa
Two teachers from each college based at sirsa city nominated by Principal of the concerned college. The convener may be authorized to include the volunteer for monitoring the discipline.

Outside Discipline Committee
Sh. Satish Vij, XEN, Construction Branch, CDLU, Sirsa Convener
Sh. Bajrang Lal, Superintendent, Gen. Branch, CDLU, Sirsa
Two Security supervisor nominated by security officer.

Printing Committee
Dr. Surinder Singh Kundu, Dept. of Commerce, CDLU, Sirsa Convener
Ms. Sanju Bala, Dept. of FST, CDLU, Sirsa
Sh. Rajesh Kumar, ADYW, CDLU, Sirsa.

Seating Arrangment Committee
Sh. Satish Vij, XEN, Construction Branch, CDLU, Sirsa Convener
Sh. Rakesh Godara, SDE, Construction Branch, CDLU, Sirsa
Sh. Rajat Kumar, JE (Civil), Construction Branch, CDLU, Sirsa
Sh. Dinesh Kumar, D.M., Construction Branch, CDLU, Sirsa

Result Collection, Compilation and Prize Distribution Committee
Prof. Umed Singh, Dept.of English, CDLU, Sirsa Convener
Dr. Raj Kumar, Dept. of Education, CDLU, Sirsa
Dr. Rohtas, Dept. of Economics, CDLU, Sirsa
Sh. Sada Singh, Asst. Prof., C.M.R.J. Govt. College, Ellenabad

TA/DA/Remuneration Distribution Committee
Dr. Sultan Dhanda, Dept. of Pub. Admn., CDLU, Sirsa Convener
Dr. Ranjit Kaur, Cultural Coordinator, CDLU, Sirsa
Sh. Kuldeep Kumar, A.R., Estt. Branch, CDLU, Sirsa
SAO or his nominee, CDLU, Sirsa
Sh. Devender Singh, Assistant, Accounts Branch, CDLU, Sirsa

Stage Management Committee (Stage – I, Main Hall)
Prof. Pankaj Sharma, Dept. of English, CDLU, Sirsa Convener
Dr. Manju Nehra, Dept. of FST, CDLU, Sirsa
Dr. Ravinder, Dept. of JMC, CDLU, Sirsa
Dr. Gitu, M.M. P.G. College, Fatehabad
Mr. Pawan Rose, (Asst. Prof., Contractual) Dept. of EES, CDLU, Sirsa

Green Room Co-ordination Committee (Main Hall)
Prof. Pankaj Sharma, Dept. of English, CDLU, Sirsa Convener
Dr. Nivedita, Dept. of Education, CDLU, Sirsa
Dr. Gita Rani, Dept. of Chemistry, CDLU, Sirsa
Dr. Arti Gaur, Dept. of Business Admn, CDLU, Sirsa

Stage Management Committee (Stage – II, Auditorium)
Prof. Vishnu Bhagwan, Dept. of Pub. Admn., CDLU, Sirsa Convener
Ms. Kamlesh Rani, Dept. of Commerce, CDLU, Sirsa
Sh. Virender Atwal, Govt. College for women, Ratia, Fatehabad.
Dr. Shikha, JCDM College, Sirsa
Dr. Anshul Sailpar, Assistant Professor(Contractual), Dept of English, CDLU, Sirsa
Dr. Poonam Punia, JCDM College, Sirsa

Green Room Co-ordination Committee (Auditorium)
Prof. Vishnu Bhagwan, Dept. of Pub. Admn., CDLU, Sirsa Convener
Dr. Anju, Dept. of EES, CDLU, Sirsa
Dr. Sanju Bala, Dept. of FST, CDLU, Sirsa
Dr. Saroj Kundu, (Asst. Prof., Contractual) Dept. of Education, CDLU, Sirsa

Refreshment/Lunch Committee
Dr. Silender Singh Hooda, ADSW, CDLU, Sirsa Convener
Dr. Ram Mehar Dixit, Dept. of Physics, CDLU, Sirsa
Dr. Neelam Kumari, Dept. of Maths, CDLU, Sirsa
Dr. Harish Kumar, Dept. of Chemistry, CDLU, Sirsa

Hospitality Committee
Dr. Joginder Duhan, Dept. of Biotechnology, CDLU, Sirsa Convener
Dr. Ashok Malik, Dept. of Physical Education, CDLU, Sirsa
Dr. Arti Gaur, Dept. of Business Admn, CDLU, Sirsa
Dr. Rachna, Dept. of Physics, CDLU, Sirsa
Dr. Ishwar Malik, Dept. of Physical Education, CDLU, Sirsa
Dr. Rajkumar, Dept of Education, CDLU, Sirsa
Ms, Saroj, Warden, Girl's Hostel, CDLU, Sirsa

Space allocation to teams
Sh. Satish Vij, Xen, Construction Branch, CDLU, Sirsa Convener
Sh. Parveen Kumar, J.E. (Civil), Construction, Branch, CDLU, Sirsa
Sh. Deepak Arora, Deputy Supdt., Const. Branch. CDLU, Sirsa

Teams Registration Committee
Prof. Rajbir Singh Dalal, Dept. of Pub. Admn., CDLU, Sirsa Convever
Dr. Rohtas, Dept. of Economics, CDLU, Sirsa
Dr. Raj Kumar, Dept. of Education, CDLU, Sirsa
Dr. Manju Nehra, Dept. of FST, CDLU, Sirsa
Smt. Kamlesh Rani, Dept. of Commerce, CDLU, Sirsa
Mr. Aalok, (Asst. Prof. Contractual) Dept. of EES, CDLU, Sirsa

Media Committee
Dr. Amit Sangwan, PRO, CDLU, Sirsa Convener
Dr. S.S. Bajwa, Dept. of JMC, CDLU, Sirsa
Sh. Sunil Kumar, clerk PRO office, CDLU, Sirsa.

Coordinator to VC & Registrar, CDLU, Sirsa
Dr. Amit Sangwan, Dept. of JMC, CDLU, Sirsa

Light/Sound & Decoration Committee
Sh. Satish Vij, Executive Engineer, Const. Branch, CDLU, Sirsa Convener
Sh. Surinder Singh Nuian, SDE (Elect.) Const. Br., CDLU, Sirsa
Sh. Parveen Kumar, JE, CDLU, Sirsa

Medical Services:
Dr. Shaifali, Medical Officer, CDLU, Sirsa Convener
Two member deputed by the medical officer in the M.P. Hall.

Time Keeping Committee
Dr. Kapil Chaudhary, Dept. of Commerce, CDLU, Sirsa Convener
Dr. Harish Kumar, Dept. of CSA, CDLU, Sirsa
Mr. Gulshan Kumar, IT Cell, CDLU, Sirsa

Coordination for various stages:
Dr. Ranjit Kaur, Cultural Coordinator, CDLU, Sirsa.
1st Stage
Dr. Rohtas, Dept. of Economics, CDLU, Sirsa 1st Stage
Dr. Joginder Duhan, Dept. of Bio-Tech., CDLU, Sirsa 2nd Stage
Dr. Lakhwinder, Dept. of EES, CDLU, Sirsa 2nd Stage

Reception Copmmittee at faculty house
Prof. P. Aghamkar Convener
Sh. Satish Vij, XEN
Sh. Kuldeep Singh, A.R.
Mrs. Munni Devi, A.R.
Sh. Bajrang Lal, Supdt.

गीता के कर्म योग का सिद्धांत आज भी प्रासंगिक

सीडीएलयू कैम्पस (स्मिरण) चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के युवा महोत्सव के पहले दिन संस्कृत नाटकों का मंचन किया गया और इन नाटकों के माध्यम से राधा कृष्ण के विभिन्न स्वरूपों को दर्शाया गया और हरियाणवी संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर भी कलाकारों द्वारा प्रकाश डाला गया। नाटक के माध्यम से बताया गया कि हरियाणा प्रदेश की धरती पर भगवान श्री कृष्ण द्वारा गीता का ज्ञान प्रदान किया गया था और गीता में दिये गये कर्म के संदेश की प्रासंगिकता वर्तमान में भी विद्यमान है। इन नाटकों के माध्यम से धर्म के साथ-साथ हरियाणा प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों के साथ-साथ प्रदेश के भौगोलिक महत्व को दर्शाया गया और बताया गया कि किस प्रकार खाद्यान्न उत्पादन के मामलें में हरियाणा भारत के अग्रणी प्रदेशों में से एक है। इन नाटकों में निर्णायक मंडल की भूमिका डा. महावीर प्रसाद, प्रो. टंकेश्वर दलाल व आचार्य हनुमान प्रसाद की भूमिका निभाई।

लघु नाटिका के माध्यम से किया जागरूक

सीडीएलयू कैम्पस (ज्योति) चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के युवा महोत्सव विश्वविद्यालय से संबंधित विभिन्न महाविद्यालयों व यू.टी.डी. की 16 टीमों ने लघु नाटिका के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और लगभग सभी टीमों का थीम स्वर्णिम हरियाणा पर आधारित थी। इनके माध्यम से बड़े ही बेहतरीन ढ़ंग से सामाजिक कुरीतियों पर कलाकारों द्वारा कटाक्ष किया गया और बताया गया कि किस प्रकार भ्रष्टाचार को खत्म करके महापुरूषों के के स्वप्न को साकार किया जा सकता है। कलाकारों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दर्शकों को तालिया बजाने पर मजबूर कर दिया और महिला सशक्तिकरण, भूमि-सुधार, तकनीकि शिक्षा, लिंग अनुपात की स्थिति में सुधार आदि संदेशों को देने में सफल रहे। स्कीट के माध्यम से हरियाणा के हास्यरस का परिचय भी कलाकारों द्वारा दिया गया। इसके अलावा इंडियन ऑर्केस्ट्रा के अन्दर तीन टीमों ने भाग लिया। शास्त्रीय नृत्य में दो टीमों ने भाग लिया।

युवा महोत्सव के दूसरे दिन दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते प्रो. विष्णु भगवान व डॉ. मोहम्मद कासिफ किदवई।

प्रो. सुशील कुमार व डॉ. अमित सांगवान के साथ सीडीएलयू कैम्पस टाइम्स की रिपोर्टिंग टीम।

नींद मैंने आई ना रोटी मैंने खाई ना...

हरियाणवी नृत्य ने किया दर्शकों को मंत्रमुग्ध

सिरसा। 'नींद मैंने आई ना रोटी मैंने खाई ना। मैनें जब से सुनी भरतार खबर तेरे आने की।' हरियाणवी संगीत पर नृत्य करती यू.टी.डी. की टीम ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। हरियाणवी परिधान का बड़े ही बेहतरीन ढ़ंग से प्रदर्शन इस टीम द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय की इस टीम में 9 नृतक व दो गायक थे।

इसके उपरांत राजकीय महाविद्यालय भूना के हरियाणवी नृत्य ने भारतीय सीमा के जवानों की वास्तविक स्थिति का प्रदर्शन किया और बताया कि सेना के जवान किस प्रकार दिन-रात मेहनत करके सीमाओं पर हमारी रक्षा करते हैं। इसके उपरान्त सी.एम.के. कॉलेज सिरसा की टीम ने 'गोकुल गुजरिया चली हवा वही मेरे मन में बसी' नामक लोकगीत पर नृत्य प्रस्तुत करके दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। सी.एम.जी. राजकीय महिला महाविद्यालय भोड़िया खेड़ा की टीम ने 'नंदी न कहीं बूंद पड़े मेरी विनती बारमबार सुन ले ओ' भरतार गीत के माध्यम से नृत्य प्रस्तुत करके हरियाणवी संस्कृति का बड़े ही बेहतरीन ढ़ंग से प्रस्तुतिकरण किया। इसके उपरांत एक अन्य टीम के सदस्यों ने 'आयो रे खेलने खेल महारे चमेली का खेल से' के माध्यम से संयुक्त परिवार, राजस्थानी संस्कृति एवं शादी विवाह की परंपरा को बखूबी प्रदर्शित किया।

हरियाणवी संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करते कलाकार व कार्यक्रम का लुत्फ उठाते दर्शक।

जागरुकता फैलाने में युवा महोत्सव महत्वपूर्णः प्रो. मिगलानी

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. असीम मिगलानी ने कहा कि युवा महोत्सव के माध्यम से युवाओं में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि महोत्सव में भाग लेने वाले युवा की हौंसला अफजाई में श्रोता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्रोताओं की तालियों से प्रतिभागियों की होसला अफजाई होती है इसलिए दर्शकों को करतल ध्वनी में कंजुसी नहीं बरतनी चाहिए। छीपी हुई प्रतिभाओं को ढुंढने में भी इस प्रकार के कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। युवा महोत्सव के माध्यम से सामाजिक जागरूकता फैलाने का कार्य भी किया जाता है।

टीम वर्क को जाता है पूरा श्रेयः किदवई

युवा कल्याण निदेशालय के निदेशक डा. मोहम्मद कासिफ किदवई ने कहा कि युवा महोत्सव जैसे बड़े आयोजनों के लिए टीम वर्क बहुत जरुरी है। बिना टीम वर्क के ऐसे आयोजन संभव नहीं। विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों व कर्मचारियों ने निदेशालय का सहयोग किया। जिनकी भी ड्युटियां लगी हुई थी, उन्होंने अपनी ड्युटी को निष्ठा से निभाया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में पिछले एक-महीनें से युवा महोत्सव की तैयारियां चल रही थी, जिसके लिए अलग-अलग कमेटियां बनाई गई। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया । प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। सभी की मेहनत का परिणाम रहा कि युवा महोत्सव सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लें विद्यार्थीः प्रो. दिलबाग सिंह

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिलबाग सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास में सांस्कृतिक कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। युवा महोत्सव से छात्रों का स्वंगिण विकास होता है और विभिन्न प्रकार की संस्कृतियों की जानकारी भी उन्हें मिलती है। इस प्रकार के महोत्सवों का मुख्य ध्येय युवा शक्ति को सही दिशा में लगाना होता है। विद्यार्थियों के अंदर अनुशासन, संयम की भावना के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के कौशल विकसित करने में इस प्रकार के कार्यक्रम मील का पत्थर साबित होते हैं।

युवा महोत्सव की मीडिया कवरेज

युवा महोत्सव

दैनिक जागरण 16 हिसार, 3 नवंबर 2017

दो साल बाद सीडीएलयू में युवा महोत्सव का रंगारंग आगाज

सिरसा और फतेहाबाद जिले के 29 कॉलेजों के प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा, प्रो. गणेशीलाल बोले- सांस्कृतिक कार्यक्रम संपूर्ण व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण अंग

हरियाणा-पंजाब बंटवारे पर कोरियोग्राफी के साथ आगाज

रंगारंग प्रस्तुतियों ने बांधा समां

चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय में युवा महोत्सव का भव्य आगाज़

युवाओं ने मचाई धूम, भारतीय लोक व प्राचीन संस्कृति की दिखी झलक

सीडीएलय में यूथ फेस्टिवल को लेकर हुई समीक्षा बैठक

सिरसा नवंबर 3, 2017 शुक्रवार

युवा महोत्सव : रंगारंग प्रस्तुति से किया सराबोर

कन्या भ्रूण हत्या पर आधारित कोरियोग्राफी ने दर्शकों को सोचने पर किया मजबूर

युवा पीढ़ी से अपील

मेरा आज के युवा वर्ग से अनुरोध है कि वे समाज में अपनी ऐसी छवी का निर्माण करें जो आमजन में विश्वास का आधार हो। विश्वसनीय व्यक्ति ही सबसे बड़ी पूंजी है। विश्वास और पहचान का अभाव मरन समान है।

– डा. प्रकाशवीर दलाल, पूर्व एनएसएस कोर्डिनेटर, रोहतक

युवा शक्ति आर्य बने। आर्य का मतलब श्रेष्ठ बने स्वर्णिम हरियाणा तभी स्वर्णिम बना रहेगा, जब युवा शक्ति सुदृढ़ होगी।

-डा. मीनाक्षी कोशिक, निदेशक खानक कला संगम, कुरूक्षेत्र

युवा शक्ति यदि साकारात्मक रूप से आगे बढ़े तो समाज को स्वर्णिम उत्कृष्टता तक पहुंचा सकती है। नव राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

-डा. प्रवीण प्रवक्ता संगीत, हिसार

कला, संस्कृति एवं संस्कार ये हो युवा शक्ति का आधार।

-आजाद सिंह हरियाणवी, उद्घोषक, हिसार

युवा पीढ़ी को अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए और अपने माता-पिता व गुरूजनों द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलना चाहिए।

- रोशन लाल शर्मा, करनाल

कैम्पस टाइम्स की टीम

उप-संपादकः श्रीमती रजनी देवी, श्री राममेहर आर्य, डॉ. कृष्ण, श्री विकास, डॉ. टिम्सी मेहता।

स्टूडेंट रिपोर्टरः नवदीप, ज्योति, सिमरन, पूजा, मोनिका, सोमेश, संदीप, पवन, सज्जन व अनुपमा।

विशेष नोटः यह प्रकाशन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रिपोर्टिंग व प्रिंटिंग विद्या में व्यावहारिक दक्षता प्रदान करने के लिए किया गया है। प्रकाशन के पीछे कोई भी व्यवसायिक उद्देश्य नहीं है।